

राजधानी

लखनऊ, रविवार 20 सितम्बर 2026

3

नफरत की राजनीति से समाज बांट रही भाजपा : अखिलेश यादव

संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधा और प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी तथा भ्रष्टाचार को लेकर कई सवाल उठाए। उन्होंने अजय सेठ से जुड़े वीडियो को साझा करने पर मुकदमा दर्ज होने का हवाला देते हुए तंज कसा कि आने वाले समय में ७%ओ इस वीडियो को देखेगा, उस पर भी मुकदमा होगा।% उन्होंने कहा कि भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र और प्रदेश के भविष्य के लिए जरूरी है। तथा समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट कर उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया करने के लिए संकल्पित है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अजय सेठ वाला वीडियो साझा करने पर एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा



करा दिया गया। उन्होंने श्रावस्ती और बलरामपुर की घटनाओं का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि यदि वीडियो साझा करने पर एफआईआर हो सकती है तो आगे ऐसी स्थिति भी बन सकती है कि वीडियो देखने वाले लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हो। उन्होंने तंज करते हुए कहा, =ये भाजपा वाले कुछ भी कर सकते हैं।= अखिलेश यादव ने कहा कि श्रावस्ती में पूर्व विधायक द्वारा सिर्फ एक

लगाया कि भाजपा स्वजातीय लोगों को बढ़ावा देना चाहती है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार में पीडीए समाज के लोगों के साथ अत्याचार हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नफरत की राजनीति के जरिए समाज को बांटने की साजिश करती है। प्रदेश के भविष्य और आने वाली पीढ़ी की खुशहाली के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना लोकतंत्र के हित में है। यूपी की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था चौपट है और भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार की हद हो गई है। भाजपा सरकार कोई नई योजना लागू करने में सफल नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि जनता को दिखाने के लिए भी भाजपा के पास समाजवादी सरकार के समय किए गए काम ही हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी पीडीए को एकजुट कर उत्तर प्रदेश से भाजपा का सफाया करने के लिए संकल्पित है। अखिलेश यादव ने आरोप

भाजपा सरकार पर महिला अपराध, फर्जी एनकाउंटर और पुलिस हिरासत में मौतों को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद इन मामलों में उत्तर प्रदेश अव्वल नंबर पर है। अखिलेश यादव ने बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है और वे आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने कहा कि लोगों को समय से इलाज नहीं मिल रहा और शुद्ध पेयजल की समस्या बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल बंद हो रहे हैं। अखिलेश यादव ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूस्) चुनाव का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश में भी छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि जब दिल्ली में छात्रसंघ चुनाव हो

बसपा के ब्राह्मण नेता मयंक द्विवेदी को तोड़ लाए अखिलेश

लखनऊ 19 सितम्बर। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है।अदरूनी कलह और नेताओं के पार्टी छोड़ने से जूझ रही बसपा को बुदेलखंड के बांदा-चित्रकूट इलाके में बड़ा झटका लगा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बांदा सीट से बसपा के प्रत्याशी रहे और 2.45 लाख वोट हासिल करने वाले मयंक द्विवेदी अपने बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं।19 सितंबर को उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की जिसके बाद उनके सपा का दामन थामने पर पु्हर लग गई। मयंक द्विवेदी के पिता और पूर्व विधायक स्व. पुरुषोत्तम नरेश द्विवेदी के सियासी रसूख के चलते इस जॉइनिंग को बुदेलखंड में सपा के लिए एक बड़े ब्राह्मण चेहरे की एंट्री के तौर पर देखा जा रहा है। बुदेलखंड का बांदा-चित्रकूट इलाका लंबे समय से समाजवादी पार्टी के लिए कमजोर कड़ी रहा है। इस क्षेत्र में सपा को प्रभावशाली और सर्वमान्य ब्राह्मण चेहरे की सख्त दरकार थी।मयंक द्विवेदी के आने से सपा का यह %टिक बॉक्स% पूरा होता नजर आ रहा है।

मयंक द्विवेदी की एंट्री को नरैनी सुरक्षित और बांदा सदर विधानसभा सीटों के समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है. नरैनी सुरक्षित सीट पर पिछले 5 चुनावों से सपा एक बार भी जीत दर्ज नहीं कर सकी है. 2022 और 2017 में यहां भाजपा ओमप्रणि वर्मा और राजकरण कबीर ने जीत दर्ज की. इससे पहले 2०12 गयाचरण दिनकर, 2007 पुरुषोत्तम नरेश द्विवेदी और 2002 सुरेंद्र पाल वर्मा में यह सीट बसपा के पास रही।सुरक्षित सीट होने के कारण सपा यहां किसी दलित चेहरे को उतारेगी और मयंक द्विवेदी के जरिए ब्राह्मण यादव मुस्लिम गठजोड़ बनाकर जीत का सूखा खत्म करने की कोशिश करेगी। बांदा सदर सीट पर जहां भाजपा के प्रकाश द्विवेदी विधायक हैं। वहां भी मयंक द्विवेदी को सपा एक मजबूत ब्राह्मण विकल्प के रूप में इस्तेमाल कर सकती है।

उत्तर प्रदेश में होगी उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की मूलभूत साक्षरता परीक्षा

लखनऊ 19 सितम्बर। भारत सरकार की केन्द्र पुरोनिधानित योजना ‘उल्लस-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम’ के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम मूलभूत साक्षरता परीक्षा का आयोजन सभी जनपदों में 20 सितम्बर को किया जाएगा। परीक्षा में 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के 5.10 लाख असाक्षर प्रतिभाग करेगे। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार सदीप सिंह ने बताया कि उल्लस-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को मूलभूत साक्षरता एवं सञ्घात्मक ज्ञान प्रदान कर उन्हें साक्षर बनाना है। कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं की 75 प्रतिशत तथा पुरुषों की 25 प्रतिशत भागीदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।बेसिक शिक्षा निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश में 15प्लस आयु वर्ग के 10लाख असाक्षरों को साक्षर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भारत सरकार के निर्देशानुसार इस वित्तीय वर्ष में दो चरणों में क्रमश: सितम्बर एवं मार्च माह में मूलभूत साक्षरता परीक्षा आयोजित की जानी है। इसी क्रम में प्रथम चरण की परीक्षा 20 सितम्बर को होगी।

विकास योजनाओं को पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करें अधिकारी-केशव

लखनऊ/बुलंदशहर 19 सितम्बर। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पहुंचे बुलंदशहर, जनप्रतिनिधियों एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री ने स्व. विधायक अनिल शर्मा के आवास पर पहुंचकर उनके स्मरण चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने प्रभु श्रीराम जी से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस अप्रार दुःख को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करें।उप मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव-2027 के दृष्टिगत संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में संगठन को बु्ध स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के विषय पर गहन मंथन हुआ। श्री मौर्य ने प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों को पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में पाई जाने वाली कमियों को तत्काल दूर किया जाए तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए स्थानीय एवं जनहित से जुड़े विषयों पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए। उन्होंने सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. भोला सिंह के आवास पर शिष्टाचार भेंट की तथा भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान के आवास पर पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान सांसद डॉ. भोला सिंह विधायक लक्ष्मी राज सिंह प्रदीप कुमार चौधरी देवेन्द्र सिंह लोधी चन्द्रपाल सिंह मीनाक्षी सिंह एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया उपस्थित रहे।

यूपीआई पर 0.4 फीसदी टैक्स के खिलाफ आप का प्रदर्शन

लखनऊ 19 सितंबर।डिजिटल भुगतान यानि यूपीआई पर 0.4फीसदी नया टैक्स थोपकर गरीब, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग की जेब पर महंगाई का एक और बोझ डालने वाली जनविरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी %व्यापार प्रकोष्ठ% उत्तर प्रदेश ने आप उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर शनिवार को लखनऊ स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे पर हल्ला बोल और प्रदर्शन किया। व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा के नेतृत्व में जुटे सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं और व्यापारियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और इस तुलनाकी फरमान को तत्काल वापस लेने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा समेत सैकड़ों पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने कहा कि सरकार ने अब चुपके से यूपीआई पर 0.4फीसदी टैक्स लगाने का फैसला किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मिलकर बड़ी ही चालाकी, विनम्रता और सादगी से इसे धीरे से देश पर थोप दिया गया, ताकि जनता को इसकी भनक तक न लगे। संसद में जब आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इस गंभीर मुद्दे को उठाया, तो उन्होंने साफ़ कहा कि यदि सरकार यह टैक्स लाती है, तो इसकी सीधी मार हमारे छोटे व्यापारियों,सब्जी वाले, ठेले वाले, रिक्शा वाले, टैक्सि वाले और चाय बेचने वाले भाइयों पर पड़ेगी, जो पहले से ही बड़ी मुश्किल से अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ़ छोटा व्यापारी ईमानदारी से आईटीआर भरता है, जिसके कारण उसका आयुष्मान काई तक नहीं बन पाता और वह इलाज से वंचित रह जाता है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार ने महज एक-दो प्रतिशत टोकन मनी लेकर 43 बड़ी कंपनियों के कई हज़ार करोड़ रुपये के कर्जें माफ़ कर दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या देश का छोटा व्यापारी की पाएगा और अपने बच्चों को पढ़ा पाएगा? यह सरकार की %फूट डालो और राज करो% की सोची-समझी नीति है। आम आदमी पार्टी व्यापारियों के हक की यह लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से लड़ेगी।

रंगों के फेर में फंसी सियासत, सपा के नीले साफे और भगवा रंग पर ओपी राजभर ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना

संवाददाता

लखनऊ/अंबेडकरनगर । चुनाव से पहले यूपी की सियासत रंगों के फेर में फंस्ती दिख रही है। मंत्री ओपी राजभर ने सपा के नीले साफे और भगवा रंग पर अखिलेश यादव पर निशाना साधा। साथ ही राहुल गांधी पर भी जुबानी हमला बोला। पी के अंबेडकरनगर पहुंचे कैबिनेट मंत्री एवं सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने शनिवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने अखिलेश यादव के नीले साफे पर तंज कसते हुए कहा कि इसे देखकर दलित समाज को सावधान हो जाना चाहिए। नीले रंग को 2 जून के स्टेट गेस्ट हाउस कांड, प्रेमोशन में आरक्षण खत्म करने और महापुरुषों के नाम पर रखे जिलों व अस्पतालों के नाम बदले जाने से भी जोड़ा। साथ ही सपा सरकार के फैसलों की



आलोचना की। जिले केप्रभारी मंत्री ने अखिलेश के भगवा रंग अपनाने पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सपा के शासनकाल में रामभक्तों पर गोली चलाने की घटना की याद आती है, जबकि वर्तमान में भगवा रंग योगी आदित्यनाथ सरकार में माफिया और गैंगवार के खिलाफ कार्रवाई का प्रतीक बन गया है। सपा पर सनानत विरोधी होने का आरोप लगाते हुए

समत अन्य पंछड़ों जातियों क बांच सपा की नीतियों को लेकर सवाल उठाए जाऐगे। राहुल गांधी के लोकतंत्र और छोटी पार्टियों को खत्म किए जाने संबंधी आरोपों पर ओमप्रकाश राजभर कहा कि छोटी पार्टियों को कमजोर करने का काम कांग्रेस के इतिहास में रहा है। कांग्रेस प्रत्याशी की गिरफ्तारी के मुद्दे पर कहा कि चुनाव के दौरान प्रत्याशी द्वारा दाखिल हलफनामे में दर्ज मुकदमों की जानकारी सामने आने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई होती है। इसे राजनीतिक कार्रवाई के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। ओमप्रकाश राजभर ने आरोप लगाया कि 27 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ कुछ ही जातियों तक सीमित रहा। उन्होंने कहा कि 3 सितंबर 2013 के हाई कोर्ट के फैसले में आरक्षण के वर्गीकरण की बात सामने आने के बावजूद तत्कालीन अखिलेश सरकार ने इस दिशा में कदम नहीं उठाया।

मौसम विभाग ने की मानसून के विदा होने की घोषणा, 22 सितंबर के बाद प्रदेश में नहीं होगी बारिश



लखनऊ। पश्चिमी विश्‍कोष के असर और अरब सागर से आ रही नमी के कारण शुक्रवार को पूर्वांचल के कुछ हिस्‍सों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्‍की से मध्‍य बारिश हुई। वहीं, प्रदेश के पश्चिमी और मध्‍य हिस्‍सों में बारिश में कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, मध्‍य क्षोभमंडल में पश्चिमी

विश्वोष्‍भ सक्रिय है। इसके प्रभाव से पूर्वांचल में बादल बने और कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ बारिश हुई। हालांकि, मानसूनी द्रोणी के कमजोर पड़ने से अब प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में कमी आने के संकेत हैं। 19 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान से मानसून की वापसी शुरू होने की परिस्थितियां बन

रही हैं। इसके बाद बारिश का दौर धीरे-धीरे कमजोर पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, 20 सितंबर से पश्चिमी उत्तर प्रदेश और 22 सितंबर तक पूरे प्रदेश में बारिश थमने तथा मौसम शुष्क होने के आसार हैं। इससे प्रदेश में मानसून की विदाई का सिलसिला शुरू होने की उम्मीद है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर बादल और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना बनी रह सकती है। पश्चिमी यूपी के जिलों से आज से मानसून विदा होना शुरू हो जाएगा। अब यहां बारिश होने की संभावना नहीं है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, प्रदेश में सितंबर के महीने में एक से लेकर 16 सितंबर तक औसत से चार फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है।

वहीं अगर केवल पूर्वी यूपी की बात करें तो यहां औसत से 10 फीसदी कम बारिश हुई है। इसके अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में औसत से 5 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। बारिश का दौर अब समापन की ओर है। राजधानी में शुक्रवार को दिन में कई बार धूप-छांव के बीच बादलों की आवाजाही जारी रही। हल्की उसम ने भी परेशान किया। मौसम विभाग के अनुसार अब राजधानी में बारिश के आसार कम ही हैं। वहीं छिटपुट बूंदबांदी हो सकती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 22 सितंबर तक पूरे प्रदेश में बारिश थमने और मौसम शुष्क होने के आसार हैं। इससे प्रदेश में मानसून की विदाई का सिलसिला शुरू होने की उम्मीद है।

लखनऊ के ड्राइविंग टेस्ट सेंटर पर नहीं पहुंच रहे आवेदक, पहले 275 डीएल बनते थे प्रतिदिन, घटकर रह गए 30-35



लखनऊ । पहले निजी ड्राइविंग टेस्ट सेंटर में आवेदकों की संख्या कम पहुंच रही है। पहले रोजना करीब 275 स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस बनते थे, जबकि अब 30 से 35 ही बन रहे हैं। काकोरी स्थित सेंटर की दूरी और टेस्ट में असफल होने की आशंका को इसकी प्रमुख वजह बताया गया है। लखनऊ का पहला निजी ड्राइविंग टेस्ट सेंटर शुरू हो चुका है मगर डीएल आवेदक अभी टेस्ट के लिए सेंटर पर नहीं पहुंच रहे हैं। इस कारण

एक दिन में 30 से 35 लाइसेंस ही बन रहे हैं, जबकि पहले औसतन 275 डीएल प्रतिदिन बनते थे। ऐसे में अफसरों ने ड्राइविंग टेस्ट के लिए आवेदकों की संख्या बढ़ाने पर लंघन शुरू कर दिया है। दरअसल, मंत्र ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया ऑनलाइन है। इसके लिए आवेदक को आरटीओ नहीं आना पड़ता। लेकिन परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस के लिए बायोमेट्रिक करवाने के बाद वाहन चलाने का टेस्ट देना पड़ता है। इसमें पास होने

पर ही डीएल बनता है। लखनऊ में ट्रांसपोर्टनगर व देवा रोड एआरटीओ हैं, जहां प्रतिदिन औसतन 275 परमानेंट ड्राइविंग लाइसेंस बनते थे। बीते 14 सितंबर को लखनऊ का पहला निजी ड्राइविंग टेस्ट सेंटर (एडीटीसी) काकोरी स्थित उदितखेड़ा में शुरू किया गया है।

यहां परमानेंट लाइसेंस के लिए आवेदकों को टेस्ट देना अनिवार्य है। इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी होती है। लेकिन यहां अभी आवेदक पहुंच नहीं रहे हैं, जिससे ड्राइविंग टेस्ट नहीं हो रहे हैं और लखनऊ में प्रतिदिन बनने वाले डीएल की संख्या घट रही है। पहले दिन महज 32 आवेदक ही टेस्ट देने के लिए पहुंचे। इसके बाद मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार व शुक्रवार को औसतन 30 से 35 आवेदक ही ड्राइविंग टेस्ट के लिए सेंटर गए। इसमें दो व चार पहिया वाहन चालक शामिल हैं। इसलिए नहीं पहुंच रहे आवेदक विभागीय अधिकारी बताते हैं कि एडीटीसी की दूरी अधिक है। ट्रांसपोर्टनगर एआरटीओ से यह करीब पांच से सात किलोमीटर,

न जाने कब सुलझेगी रोडवेज कर्मचारियों की समस्या -जसवंत

लखनऊ 19सितम्बर।यूपी रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन के प्रदेश संयोजक जसवंत सिंह ने परिवहन निगम की दुर्व्यस्था और कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर कब निदान होगा। डणगामार वाहनों का संचालन क्यों नहीं रुक पा रहा है। क्या कच सुनवाई होगी, गंभीरता से विचार होगा कि डणगामार संचालन बंद होगा।एमपी से अपेक्षा है यह आंकड़ा प्रस्तुत कर दे कि वर्तमान सरकार ने अब तक कितनी आर्थिक सहायता दी। लगातार जो डणगामार वाहन संचालन अवैध जीपे,कारे चल रही है,क्या वह कानून का विरोध नहीं कर रही। परिवहन निगम की बसों से पांच गुना यात्री कर क्यों वसूल जा रहा है। बस स्टेशनों से एक किलोमीटर की परिधि में प्राइवेट बस स्टैंड नहीं होगा, स्थानांतरण नीति, शासन के नॉर्म्स के अनुसार परिवहन निगम में 42 हजार नियमित पद खाली है,इसपर क्यों विचार नहीं हो रहा। जब देश के सभी कार्मिकों को काम के घंटे निर्धारित है तो परिवहन निगम के सविदा चालकों परिचालको के लिए आज तक की ठेस योजना क्यों नहीं बनाई। यह आवाज भरे परिवहन निगम की है,सुनवाई तो जरूरी है।

ट्रेडीशन संग ट्रेड: ग्लोबल मेहमानों के सामने सजेगा यूपी की संस्कृति का महाकुंभ

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा 19 सितंबर।उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में 25 से 29 सितंबर तक विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। योगी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश को निवेश, व्यापार और पर्यटन के साथ-साथ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर मिल रहा है। ट्रेड शो में देश-विदेश से आने वाले उद्यमियों, निवेशकों और आगंतुकों को प्रदेश की लोक कलाओं, शास्त्रीय संगीत, नृत्य और सांस्कृतिक परंपराओं की झलक देखने को मिलेगी।ट्रेड शो के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत 25 सितंबर को शंख वादन एवं वैदिक मंगलाचरण से होगी। वाराणसी के विशाल कुमार की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद नोएडा के पं. चेतन जोशी का वाद्य संगीत, लखनऊ की अलोकनिशा श्रीवास्तव का कथक नृत्य, प्रयागराज की पूर्णिमा का ढेंड़िया लोक नृत्य और वृंदावन की आरती खेतपाल की भजन प्रस्तुति दर्शकों को आकर्षित करेगी।26 सितंबर को पखावज युगल, भोजपुरी लोक गायन, कथक, मथुरा का लोक नृत्य और स्टार नाइट का आयोजन होगा। 27 सितंबर को सैसोफोन वाद्य संगीत, भजन,लोक गायन, शांसी का राई लोक नृत्य, भरतनाट्यम और स्टार नाइट का आयोजन किया जाएगा। 28 सितंबर को भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ का परकशन एंसेंबल, मेहोबा के जितेंद्र चौरसिया का आल्हा गायन, कथक, पीलीभीत का थारू जनजातीय नृत्य और सुल्तानपुर की रूपाली जोगू की सूफी नाइट आयोजित होगी। 29 सितंबर को वाराणसी के पद्मश्री पं. शिवनाथ मिश्रा का सितार वादन, लखनऊ के कमाल खान का गजल गायन, गाजियाबाद की मिताली सैनी का कथक, 'कथक ऑफ इंडिया,यूपी' की कोरियोग्राफ़र प्रस्तुति और स्टार नाइट के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समापन होगा। ट्रेड शो में प्रदेश के विभिन्न अंचलों की लोक कलाओं और शास्त्रीय परंपराओं को मंच मिलना उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करता है। काशी, मथुरा, वृंदावन, बुंदेलखंड, अवध, पूर्वांचल और तराई अंचल के कलाकारों की प्रस्तुतियां प्रदेश की बहुरंगी संस्कृति से आगंतुकों को परिचित करायेंगी।औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियां यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को कला, संस्कृति और उद्यमिता के संगम के रूप में प्रस्तुत करेंगी।

सम्पादकीय

सत्ता से संघर्ष तक: ममता बनर्जी का राजनीतिक यथार्थ

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शुन्य से उत्कर्ष कर आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छत्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। ममता बनर्जी का राजनीतिक सफर एक छत्र राजनीति की साहसी नायिका से लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनने और वर्तमान समय में चोर राजनीतिक व कानूनी संकटों से घिरने तक की एक बड़ी दास्तान है। जो ‘दीदी’ कभी सड़कों पर वामपंथ के 34 साल के किले को ढहाने के लिए जानी जाती थीं, वे आज अपनी राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। वर्तमान परिस्थितियों में ममता बनर्जी पर मुश्किलों के पहाड़ टूटने के मुख्य कारण इस प्रकार हैं- पहला, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा राजनीतिक झटका 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में लगा, जहाँ उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हार का सामना करना पड़ा और राज्य में भाजपा की सरकार बनी। खुद ममता बनर्जी को भी अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी के हाथों करारी हार झेलनी पड़ी। सरकार

15 साल तक राज्य पर राज करने के बाद सत्ता से बाहर होना उनके राजनीतिक पतन की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। दूसरा, ममता बनर्जी की राजनीतिक ताकत हमेशा उनकी पार्टी पर उनकी मजबूत फकड़ थी। लेकिन वर्तमान में टीएमसी के भीतर एक बड़ी बग़ावत छिड़ गई है। कई विधायकों और सांसदों ने अभिषेक बनर्जी के बढ़ते प्रभाव और पार्टी में तानाशाही खेये को लेकर बग़ावती रुख अख्तियार कर लिया है, जिससे पार्टी दो फाड़ होने की कगार पर पहुँच गई है। तीसरा, ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ा कानूनी और भावनात्मक झटका तब लगा जब चुनाव आयोग ने पार्टी में आंतरिक विवाद के कारण तृणमूल कांग्रेस के नाम और उनके प्रसिद्ध चुनाव चिह्न ‘जोड़ा फूल’ को फीज (रोक लगा दी) कर दिया। आयोग ने दोनों गुटों को अस्थायी रूप से नए नाम और सिंबल दिए हैं। ममता बनर्जी ने इसे भारतीय लोकतंत्र का ‘काला दिन’ बताया है और इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। चौथा, सत्ता से हटते ही ममता बनर्जी के खिलाफ कानूनी शिकंजा लगातार कसता जा रहा है- चुनाव प्रचार के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ और सांप्रदायिक बयान देने के आरोप में उनके खिलाफ कोलकाता और सिलीगुड़ी में एफआईआर दर्ज की गई हैं। अगस्त 2026 में कोलकाता में छत्र संगठन (टीएमसीपी) की रैली के दौरान कलकता हाई कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और कानून व्यवस्था बिगाड़ने के आरोप में भी पुलिस ने उन पर मामला दर्ज किया है। उनकी पिछली सरकार पर एक विज्ञापन एजेंसी को र. 635 करोड़ से अधिक का टेंडर देने में गड़बड़ी जैसे घ्रष्ट्राचार के नए आरोप लग रहे हैं। पांचवां, ममता बनर्जी ने हमेशा खुद को जनता की लड़ाई लड़ने वाली और महिलाओं के अधिकारों की रक्षक के रूप में पेश किया था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राज्य में हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर उनके विवादित बयानों और घ्रष्ट्राचार के मामलेों (जैसे शिक्षक भर्ती घोटाला आदि) ने उनकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाया। जनता में पैदा हुए इसी आक्रोश और सत्ता-विरोधी लहर ने उन्हें बैकफुट पर धकेल दिया। संघर्ष की नायिका का वर्तमान रुख, इन सब मुश्किलों के बावजूद, 17 साल की उम्र में दूध के बूथ और स्टेशनग्रॉफर का काम करके अपने परिवार को संभालने वाली ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इनकार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे राजनीतिक संन्यास नहीं लेंगी और वे इस ‘गंदे खेल’ के खिलाफ सड़कों पर उतरकर लड़ाई जारी रखेंगी। आगामी उपचुनावों के लिए उन्होंने रणनीति बदलते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों को समर्थन देने की घोषणा भी की है।

भारतीय राजनीति के इतिहास में ममता बनर्जी का नाम एक ऐसी जननेता के रूप में दर्ज रहा है, जिन्होंने शुन्य से उत्कर्ष कर आंदोलनों के बल पर दशकों पुरानी राजनीतिक संरचनाओं को हिला दिया। छत्र राजनीति के समय से ही उनकी पहचान एक बेबाक और निर्भीक व्यक्तित्व के रूप में रही है। तीन दशकों से अधिक लंबे वामपंथी शासन को उखाड़ फेंकने वाली दीदी ने पूरे पंद्रह वर्षों तक पश्चिम बंगाल की सत्ता पर एकछत्र राज किया। परंतु समय का चक्र ऐसा घुमा है कि वही जुझारू नेत्री आज अपनी ही राजनीतिक यात्रा के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। हालिया विधानसभा चुनावों में मिली पराजय, दल के भीतर भड़की बग़ावत, चौतरफा वैधानिक कार्यवाहियों का शिकंजा और दल की मूल पहचान यानी नाम तथा चुनाव चिह्न का छिन जाना, इन सबने मिलकर उनके समक्ष अस्तित्व रक्षा की अभूतपूर्व चुनौती खड़ी कर दी है। हाल के विधानसभा चुनाव पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक बड़े मोड़ के रूप में सामने आए। पंद्रह वर्षों के निरंतर शासन के बाद तृणमूल कांग्रेस को जन-असंतोष और प्रचंड विरोध का सामना करना पड़ा। चुनावी नतीजों ने न केवल उनकी पार्टी को करारी हार झेलनी पड़ी, बल्कि ममता बनर्जी को स्वयं अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से पराजय का स्वाद चखना पड़ा।

लापरवाह रुख क्यों अपनाया?



तो सवाल उठेगा कि निर्वाचन आयोग ने आम जन और विपक्ष के मन से सदेह दूर करने का क्या प्रयास किया है? जब कभी ऐसे सवाल उठे, आयोग ने उनके प्रति लापरवाही का इजहार क्यों किया? और बात सिर्फ़ ईवीएम की नहीं है। साख के उससे भी बड़े प्रश्न मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में उठे हैं। महाराष्ट्र की जारी नई ड्राफ्ट सूची का उल्लेख करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने पूछा है- %अब महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं को ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर कर दिया गया है- यानी हर पांचवां वोटर। लोकसभा 2024= 9.29 करोड़। विधानसभा 2024= 9.7 करोड़। एसआईआर 2026= 7.78 करोड़। कौन-सी लिस्ट सही थी?’ राहुल गांधी ने जवाब दिया- %मैंने तब भी कहा था, आज भी कहता हूँ- यह वोट चोरी थी!’ उन्होंने ध्यान दिलाया कि पिछम बंगाल में एसआईआर में जिन नामों को काटा गया, उनमें से 91 प्रतिशत नाम अपील के बाद वापस जोड़ने पड़े। बहरहाल, इस बीच विधानसभा चुनाव हो चुका था! यानी बाद सिर्फ़ सवाल और संदेह की नहीं है। विपक्ष का सीधा आरोप वोट चोरी का है। क्या ये कि विवाद खड़े हो सकते हैं?’ तो सवाल उठेगा कि यह अहंसा का होने के बावजूद आयोग ने आम जन और विपक्ष के मन से संदेह

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

जनधन खातों से लेकर

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक,

उज्ज्वला से लेकर स्वच्छ

भारत तक, आयुष्मान

भारत से लेकर जल जीवन

मिशन तक, गरीबों के

आवास से लेकर डिजिटल

सेवाओं तक, सरकार ने

योजनाओं की पहुँच को

अंतिम छोर तक ले जाने

का प्रयास किया। यह

बदलाव केवल योजनाओं

की संख्या का नहीं है।

असली बदलाव यह है कि

गरीब, किसान, महिला,

युवा और वंचित समाज

विकास की चर्चा के केंद्र में

आए। प्रधानमंत्री के रूप में

नरेंद्र मोदी ने सबका साथ,

सबका विकास को शासन

की राजनीतिक भाषा

बनाया। आज इसी सोच

का विस्तार विकसित

भारत२०४7 के संकल्प में

दिखाई देता है।

झारखंड के लिए मोदी युग

का अर्थ

झारखंड की राजनीति और

समाज को समझने वाला

व्यक्ति यह अच्छी तरह

जानता है कि इस राज्य

की सबसे बड़ी विडंबना

क्या रही है।

बाबूलाल मरांडी

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी 76 वर्ष के हो गए। यह तिथि दो मायनों में विशेष है। एक तो सृष्टि शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जन्म जयंती का पावन अवसर और दूसरा नए भारत के शिल्पकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन। भारतीय राजनीति के सार्वजनिक जीवन में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका जीवनकाल केवल पद और सत्ता तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह अपने ऐतिहासिक कार्यों से करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा इसी संकल्प, सेवा और राष्ट्र निर्माण की कहानी है। सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति की उपलब्धियों का इतना लंबा कालखंड सामान्य पड़ाव नहीं होता। यह उस विचार, कार्यशैली और नेतृत्व की परीक्षा का अवसर होता है, जिसने देश की राजनीति और शासन को प्रभावित किया हो। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

7 अक्टूबर, 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद लगभग 13 वर्षों तक गुजरात का नेतृत्व और फिर 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सेवा। यह यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है, बल्कि एक कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री बनने तक सेवा को राजनीति का आधार बनाने की यात्रा है। प्रधानमंत्री के रूप में 25 वें वर्ष में प्रवेश करते हुए स्वयं नरेंद्र मोदी ने भी इसे देशवासियों के विश्वास और आशीर्वाद के प्रति कृतज्ञता का अवसर बताया था।

आज जब हम इस यात्रा को देखते हैं तो एक बात स्पष्ट दिखाई देती है कि मोदी के लिए विकास केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामान्य नागरिक के जीवन में दिखाई देने वाला परिवर्तन है। राजनीति का केंद्र बदला, प्राथमिकताएँ बदलीं

एक समय देश में सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना सबसे बड़ी चुनौती माना जाता था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनधन खातों से लेकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक, उज्ज्वला से लेकर स्वच्छ भारत तक, आयुष्मान भारत से लेकर जल जीवन मिशन तक, गरीबों के आवास से लेकर डिजिटल सेवाओं तक, सरकार ने योजनाओं की पहुँच को अंतिम छोर तक ले जाने का प्रयास किया। यह बदलाव केवल योजनाओं की संख्या का नहीं है। असली बदलाव यह है कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित समाज विकास की चर्चा के केंद्र में आए। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास को शासन की राजनीतिक भाषा बनाया। आज इसी सोच का विस्तार विकसित भारत२०47 के संकल्प में दिखाई देता है।

झारखंड के लिए मोदी युग का अर्थ हवाई सेवा शुरू हुई। केंद्र सरकार ने उस समय यह भी बताया था कि झारखंड में अन्य हवाई संपर्कों के विस्तार पर काम किया जा रहा है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि अब लोक विमान से देवघर पहुँच सकते हैं। इसका अर्थ है कि बाबा बैद्यनाथ धाम की अर्थव्यवस्था, होटल उद्योग, स्थानीय व्यापार, पर्यटन और रोजगार के लिए नए अवसरों का दरवाजा खुला है। बिरसा मुंडा को झारखंड से निकालकर राष्ट्रीय चेतना का नायक बनाना झारखंड की आत्मा को समझना हो तो भगवान बिरसा मुंडा को समझना होगा। वे केवल एक जनजातीय नायक नहीं, बल्कि स्वाभिमान, संघर्ष और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। 15 नवंबर 2021 को रांची में भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन भी हुआ।इस निर्णय का राजनीतिक और सांस्कृतिक महत्व 2022 में देवघर में एम्स की इन-पेमेंट और ऑपरेशन थिएटर सेवाओं की शुरुआत तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास ने यह संदेश दिया कि झारखंड में भी देश के सर्वोच्च चिकित्सा संस्थानों की सुविधाएँ उपलब्ध हो सकती हैं। उसी अवसर पर देवघर में 16,800 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ। देवघर एयरपोर्ट = बाबा धाम से विकास की नई उड़ान देवघर एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं है। यह झारखंड की धार्मिक पर्यटन क्षमता, व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक नया द्वार है। 12 जुलाई 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवघर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। लगभग 7400 करोड़ की लागत से विकसित इस एयरपोर्ट में छक्रग्रह की ओर से 7200 करोड़ का अनुदान भी शामिल था। इसके बाद दिल्ली-देवघर सीधी हवाई सेवा शुरू हुई। केंद्र सरकार ने उस समय यह भी बताया था कि झारखंड में अन्य हवाई संपर्कों के विस्तार पर काम किया जा रहा है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि अब लोक विमान से देवघर पहुँच सकते हैं। इसका अर्थ है कि बाबा बैद्यनाथ धाम की अर्थव्यवस्था, होटल उद्योग, स्थानीय व्यापार, पर्यटन और रोजगार के लिए नए अवसरों का दरवाजा खुला है। बिरसा मुंडा को झारखंड से निकालकर राष्ट्रीय चेतना का नायक बनाना झारखंड की आत्मा को समझना हो तो भगवान बिरसा मुंडा को समझना होगा। वे केवल एक जनजातीय नायक नहीं, बल्कि स्वाभिमान, संघर्ष और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। 15 नवंबर 2021 को रांची में भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन भी हुआ।इस निर्णय का राजनीतिक और सांस्कृतिक महत्व

विविध

आज का राशिफल

होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज जरूरत से ज्यादा खर्चों पर रोक लगाना भी जरूरी है।

शुभ रंग - आडू

शुभ अंक - 9

सिंह राशि- सिंह राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, रुकावट भरे कार्य पूरे होंगे। साथ ही आपके दायंत्व जीवन में आपसी ताल-मेल बढ़ेगा। आज किसी कार्य में घरवाले आपकी तारीफ करेंगे और आपकी पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी। आज आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आयेगे और किसी से लिया कर्ज आज आप वापस करेंगे। आज आप दोस्तों के साथ बाहर डिनर करने जायेंगे, जिससे आपको काफी अच्छा महसूस होगा।

शुभ रंग - नारंगी
शुभ अंक - 4
वृष राशि- वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे और आप सोंचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल कर सकते हैं। आज आपको मीडिया क्षेत्र में अच्छा लाभ मिलने के साथ ही बड़े अवसर भी प्राप्त होंगे। इस राशि के प्राइवेट जॉब में कार्यरत व्यक्तियों को आज प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है।

शुभ रंग - पीला
शुभ अंक - 1
मिथुन राशि- मिथुन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा और आपके क्लाइंट के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। आज आपका दाय्मत्व जीवन खुशहाल रहेगा तथा आज आपको संतान पक्ष से खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। आज आप किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे, जिससे उपचार बेहतर ढंग से हो। आज आप किसी कलींग की मदद से ऑफिस के पेंडिंग काम को पूरा करेंगे, आपके टीम वर्क से बॉस बहुत खुश होंगे।

शुभ रंग - मैरून
शुभ अंक - 3
तुला राशि- तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको अपने खानपान का खास ख्याल रखना चाहिए। आज आपकी आय में बढ़ोतरी होगी और आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। इस राशि के विद्यार्थी आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे, जल्द ही आपकी सिलेखराम मिलेगा। आज आप भावनाओं में बहकर किसी भी निर्णय को लेने से बचें अन्यथा कोई आपका अपनी बातों में उलझा सकता है।

शुभ रंग - लाल
शुभ अंक - 8

बहुत बड़ा है। जिस राज्य में बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती दी, उसी राज्य से उनकी स्मृति को राष्ट्रीय गौरव के रूप में स्थापित करना यह बताता है कि भारत का इतिहास केवल कुछ चुनिंदा अध्यायों का इतिहास नहीं है। जनजातीय समाज के संघर्ष, बलिदान और योगदान भी भारतीय राष्ट्र की निर्माण गाथा के अभिन्न हिस्से हैं। यही कारण है कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के पुनर्पाठ और जनजातीय अस्मिता को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। झारखंड के लिए विकास का मतलब केवल खनिज नहीं झारखंड को लंबे समय तक खनिजों की भूमि के रूप में देखा गया। लेकिन आज आवश्यकता है कि झारखंड को मानव संसाधन, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीक और जनजातीय प्रतिभा की भूमि के रूप में भी पहचाना जाए। मोदी सरकार की नीतियों ने इस दिशा में आधार तैयार किया है। देवघर में एम्स स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करता है। एयरपोर्ट पर्यटन और व्यापार को गति देता है। जनजातीय गौरव दिवस और बिरसा संग्रहालय हमारी पहचान और इतिहास को राष्ट्रीय विमर्श में स्थापित करते हैं। लेकिन हमें यहीं रुकना नहीं है। इन परियोजनाओं को रोजगार, निवेश और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ना होगा। झारखंड के युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना होगा। हमारी जनजातीय प्रतिभाओं को शिक्षा और तकनीक से जोड़ना होगा। हमारे पर्यटन स्थलों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से जोड़ना होगा।मोदी जी की विकास दृष्टि का लाभ झारखंड को तबकी पूरी तरह मिलेगा, जब राज्य सरकार भी उसी गति, पारदर्शिता और इच्छाशक्ति के साथ काम करे। निर्णय लेने का साहस भी मोदी युग की पहचान है।

नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों को केवल विकास योजनाओं से समझना अधूरा होगा। इस दौर में कई ऐसे निर्णय हुए, जिन्होंने देश की राजनीति और नीति की दिशा पर गहरा प्रभाव डाला। अनुच्छेद 370 में बदलाव, नई शिक्षा नीति, जीएसटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण, महिला सशक्तीकरण से जुड़े कानून, गरीब कल्याण की योजनाएँ और कोविड महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान—इन सभी ने भारत के शासन मॉडल को प्रभावित किया। इन निर्णयों पर राजनीतिक मतभेद और बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं। लेकिन यह झारखंड के लिए विकास का मतलब केवल खनिज नहीं है। अर्थव्यवस्था, डिजिटल क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन और वैश्विक कूटनीति पर दुनिया की नजर है। यह बदलाव केवल दिखे की कहानी नहीं है। जब भारत मजबूत होता है तो झारखंड जैसे राज्यों के लिए भी निवेश, बाजार, बुनियादी ढाँचे और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं।

25 वर्ष का पड़ाव, अगले 25 वर्षों का संकल्प नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने का अर्थ यह नहीं कि यात्रा पूरी हो गई। वास्तव में यह अगले और अधिक महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत है। 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब हमारा लक्ष्य केवल बड़ा भारत नहीं, बल्कि विकसित, आत्मनिर्भर, समक्ष और आर्थिक विश्वासि भारत होना चाहिए। झारखंड के लिए इस लक्ष्य का अर्थ और भी बड़ा है।

कौशल, रोजगार, स्टार्टअप और आधुनिक शिक्षा पर सरकार का जोर, 18 हजार से अधिक युवाओं को मिला प्रशिक्षण	
	धनंजय रावैर, युवाओं को विकास के केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय की सरकार कौशल विकास, रोजगार, उच्च शिक्षा, उद्यमिता और खेल क्षेत्र में अवसरों का विस्तार कर रही है। पिछले करीब तीन वर्षों में जब से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सत्ता संभाली है, युवाओं को सक्षम, रोजगारपरक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं और पहल शुरू की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य शिक्षा और प्रशिक्षण को रोजगार से जोड़ते हुए राज्य की युवा आबादी को विकास की नई ताकत में बदलना है। लक्ष्य केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें कुशल, आत्मनिर्भर, भनाचारी और भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार मानव संसाधन के रूप में विकसित करना है। 18 हजार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है
	प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत राज्य के 26 जिलों में करीब 18 हजार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस पर लगभग 29 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, 35 हजार और युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार ने युवाओं के कौशल विकास के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है, ताकि प्रशिक्षण को उद्योगों और बाजार की बदलती जरूरतों के अनुसार बनाया जा सके। युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था
	मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, युवा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य की उमीद हैं। हमारा प्रयास है कि हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध हो। युवा सशक्तीकरण विकसित छत्तीसगढ़ के हमारे विजन का केंद्र है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप है। पारदर्शी भर्ती पर फोकस
	युवा केद्विit एजेंडे में रोजगार के साथ सरकारी भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता को भी प्राथमिकता दी गई है। राज्य में करीब 9 हजार रिक्त सरकारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा क्लास-3 और क्लास-4 के पदों पर भर्ती को एकीकृत, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए नए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल का गठन किया गया है। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सरकार द्वारा नि-शुल्क कोचिंग की व्यवस्था
	सरकार ने युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर अवसर देने के लिए सीजी-एसीई पहल शुरू की है। इसके तहत नीट, सीएलएटी, जेईई, यूपीएससी, सीजीपीएससी, बैंकिंग, एसएससी और रेलवे जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि-शुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए 33 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे का विस्तार
	युवा विकास की रणनीति में विष्णु देव साय सरकार ने उच्च शिक्षा को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया है। उच्च शिक्षा के बजट में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025-26 में इसे बढ़ाकर 1,822.75 करोड़ रुपये किया गया है। राज्य के पांच सरकारी कॉलेजों को उच्च्युत्ता केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इनमें जशपुर, रायपुर, दुर्ग, बलौदाबाजार और रायगढ़ के कॉलेज शामिल हैं। इसी तरह, आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज पर कवर्धा, जशपुर, रायगढ़ और जगदलपुर में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीजीआईटी) विकसित किए गए हैं। आगे वाले समय में रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में भी इनके विस्तार की योजना है। संयुक्त संचालक, जनसम्पर्क (रायपुर)

समाधान दिवस में 52 फरियादियों ने रखीं समस्याएं, 10 मामलों का मौके पर निस्तारण

संवाददाता
मधुबन (मऊ)शनिवार को मधुबन तहसील सभागार में तहसील समाधान दिवस का आयोजन हुआ। अपर जिलाधिकारी प्रवेन्द्र कुमार की अगुवाई में हुए इस आयोजन में उपजिलाधिकारी दीपक सिंह ने लोगों की शिकायतें सुनीं। तहसील क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से आए लोगों ने राजस्व, भूमि विवाद, रास्ता, कच्चे और पुलिस से जुड़ी शिकायतें अधिकारियों को दीं।समाधान दिवस में कुल 52 शिकायतें मिलीं। इनमें से 10 मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। बाकी मामलों के जल्द निपटारे के लिए संबंधित



विभागों के अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। कई मामलों में अधिकारियों ने राजस्व और पुलिस

विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाकर जांच करने और नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा।अपर जिलाधिकारी प्रवेन्द्र कुमार ने अधिकारियों से कहा कि समाधान दिवस में मिली शिकायतों का निपटारा सबसे पहले किया जाए। शिकायतों के निपटारे में कोई लापरवाही न हो और लोगों को बेवजह दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों की जांच करने और तय समय में कार्रवाई करने के निर्देश दिए।उपजिलाधिकारी दीपक सिंह ने भी अधिकारियों को निर्देश दिए कि

मिली शिकायतों का अच्छी तरह से निपटारा किया जाए। खासकर भूमि और राजस्व से जुड़े मामलों में दोनों पक्षों की मौजूदगी में जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।इस मौके पर बीडीओ अनिल कुमार मौर्य, मधुबन थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता और रामपुर थाना प्रभारी सुनील कुमार सरोज मौजूद थे। इनके साथ राजस्व, पुलिस और दूसरे विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे। समाधान दिवस के दौरान लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

घोसी तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस, 124 शिकायतें पहुंचीं, 10 का मौके पर निस्तारण

संवाददाता
मऊ। घोसी तहसील में शनिवार को जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। जनसुनवाई के दौरान कुल 124 शिकायतें आईं जिनमें 10 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि चार मामलों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों की टीमों मौके पर भेजी गईं। प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक 77 मामले राजस्व विभाग से संबंधित रहे। इसके अलावा 22 शिकायतें पुलिस विभाग तथा शेष अन्य विभागों से जुड़ी थीं। जनसुनवाई के दौरान मोहम्मदाबाद सिपाह निवासी खरपतू पुत्र मंगरू ने रकबे में संशोधन की शिकायत की। उन्होंने बताया कि बंदोबस्त में रकबा 0.147 कड़ई दर्ज था, जबकि वर्तमान खतौनी में 0.147 हेक्टेयर अंकित हो गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर



मामले का तत्काल निस्तारण कर खतौनी में आवश्यक संशोधन कराया गया। इसके बाद जनसुनवाई के दौरान ही शिकायतकर्ता को संशोधित खतौनी की नकल उपलब्ध करा दी गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जलशिकायतों का समयबद्ध

और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता न हो, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि और समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस में पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर, एसडीएम घोसी अशोक कुमार सिंह, एसडीएम न्यायिक घोसी सहित विभिन्न विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बंद मकान का ताला तोड़कर जेवर-नगदी चोरी, मामला संदिग्ध



संवाददाता
वलीदपुर। मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के जमीन बरामदपुर दक्षिणी स्थित अंसार नगर मोहल्ले में शुरुवार देर शाम बंद मकान का दरवाजा तोड़कर चोरों ने नौ लाख

रुपए मूल्य के आभूषण सहित 80 हजार रुपए नगदी की चोरी कर ले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस घटना को संदिग्ध मानकर पड़ताल कर रही है।

जानकारी के अनुसार अंसार नगर निवासी समीउल्लाह के पांच पुत्र हैं। बताया गया कि पांचों विदेश में रहते हैं, जबकि उनकी पत्नियां अपने-अपने मायके में रहती हैं। इसके चलते मकान कई महीनों से बंद था। करीब सात दिन पूर्व मोहम्मद मोतीन विदेश से घर आया था, लेकिन वह घर से कुछ दूरी पर स्थित दूसरे मकान में रह रहा था। शुरुवार देर शाम पड़ोस का एक व्यक्ति मकान के पास से गुजरता तो उसकी नजर खुले दरवाजे पर पड़ी। उसने परिवार के लोगों को फोन कर इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर नसीम, वसीम, मोबिन और मोइन की पत्नियां मौके पर पहुंचीं। घर के अंदर जाने पर कमरों के ताले टूटे मिले और सामान बिखरा पड़ा था।

परिजनों के अनुसार अलमारियों में रखे करीब सात लाख रुपये के जेवरों का गायब हो। वहीं मोहम्मद मोतीन के करीब एक लाख 80 हजार रुपये नगद भी चोरी होने की बात बताई गई है। इसके बाद घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाल कमलकांत वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर जानकारी जुटाई। कोतवाली प्रभारी कमलकांत वर्मा ने बताया कि चोरी की सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की है मामला संदिग्ध लग रहा है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

छात्रा को रोककर कुछ सुंघाया, फिर बस से ले गई महिला, लोगों ने पकड़ा



- स्कूल नहीं पहुंची तो परिजनों को मिली सूचना, रास्ते में साइकिल और बैग मिलने से मचा हड़कंप

छात्रा विद्यालय नहीं पहुंची तो स्कूल प्रबंधन ने परिजनों को फोन कर इसकी जानकारी दी। परिजनों ने बताया कि छात्रा काफी देर पहले ही घर से साइकिल लेकर स्कूल के लिए निकल चुकी थी। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। रास्ते में छात्रा की साइकिल और स्कूल बैग पड़े मिले तो परिजनों के होश उड़ गए। परिजनों का आरोप है कि रास्ते में एक महिला ने छात्रा को रोक लिया और उसे कुछ सुंघाने के बाद अपने साथ बस से मऊ लेकर चली गई। इधर, मऊ पहुंचने के बाद कुछ

लोगों ने महिला के साथ छात्रा को पहचान लिया। लोगों ने महिला और छात्रा को रोककर इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। सूचना पर घोसी कोतवाली पुलिस दोनों को थाने ले आई। पूछताछ में महिला की पहचान दोहरीघाट थाना क्षेत्र के पतनई गांव निवासी पूनम के रूप में हुई। कोतवाल रवींद्र नाथ राय ने बताया कि महिला से पूछताछ की जा रही है। छात्रा को अपने साथ मऊ ले जाने के पीछे महिला का उद्देश्य क्या था, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस की जांच और पूछताछ के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अनियंत्रित कार ने बाइक में मारी टक्कर, तीन लोग गंभीर घायल

संवाददाता मधुबन (मऊ)मधुबन थाना क्षेत्र के मधुबन मझवारा शहीद मार्ग पर नंदौर चट्टी के पास शनिवार दोपहर एक अनियंत्रित कार की चपेट में आने से बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत तीनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर मंडाव में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर निवासी रामलाल सोनकर अपने गांव के मुरारी और उनकी पत्नी कविता को बाइक पर बैठाकर भवानी सराय गांव जा रहे थे। जैसे ही वे नंदौर चट्टी के पास पहुंचे, नियंत्रित दिशा से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।इस हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उधर, कार चालक मौके से कार लेकर फरार हो गया।

जनपद में जिला स्तरीय रील और रंगोली प्रतियोगिता, 28 तक पंजीकरण

संवाददाता
मऊ। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जिला गंगा समिति, मऊ की ओर से जिला स्तरीय रील, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में 13 से 29 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी, युवा, युवा समूह और संस्थान प्रतिभाग कर सकेंगे। रील, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता का आयोजन 30 सितंबर को डीआईटी मऊ में होगा। इसमें नदी, जलस्रोत, गांव अथवा जनपद की स्वच्छता, कूड़ा निस्तारण, स्वच्छता जागरूकता और जनभागीदारी जैसे विषयों पर तीन से पांच मिनट की वीडियो प्रविष्टियां स्वीकार की जाएगी। इनमें से श्रेष्ठ 10 प्रविष्टियों का चयन कर स्वच्छता ही सेवा गोष्ठी के दौरान रील, डॉक्यूमेंट्री फेस्टिवल में प्रदर्शित किया जाएगा। वहीं 14 अक्टूबर को दोहरीघाट स्थित रामघाट, घाघरा नदी तट पर जिला स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता होगी। इसमें स्वच्छता, स्वच्छ नदी एवं जलस्रोत, कूड़ा निस्तारण, प्लास्टिक मुक्त समाज, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी जैसे विषय रखे गए हैं। एक से पांच प्रतिभागियों का समूह इसमें भाग ले सकेगा। रंगोली के लिए अधिकतम 90 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। दोनों प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 28 सितंबर तक पंजीकरण कराया जा सकता है। इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित गुगल फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। इसके अलावा जिला गंगा समिति और सामाजिक वानिकी प्रभाग कार्यालय में आवेदन किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9335476966 पर कॉल या वाट्सप किया जा सकता है। जिला गंगा समिति ने विद्यार्थियों और युवाओं से अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग कर अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने की अपील की है।

ग्राम पंचायतों में तेज हुआ स्वच्छता अभियान, टोली बनाकर ग्रामीणों को किया जा रहा जागरूक



संवाददाता
मऊ। सेवा संकल्प अभियान एवं 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के तहत पंचायती राज विभाग की ओर से जिले की ग्राम पंचायतों में स्वच्छता अभियान तेज कर दिया गया है। गांवों में गठित स्वच्छता टोलियों के माध्यम से नालियों, सार्वजनिक स्थलों और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई कराई जा रही है। अभियान के दौरान स्वच्छता कर्मचारियों ने विभिन्न गांवों में नालियों की सफाई के साथ ही सार्वजनिक स्थानों से कूड़ा-कचरा टट्टाया। ग्रामीणों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए घर और आसपास के स्थानों को साफ रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी किरण वर्मा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसके साथ ही विभिन्न ग्राम पंचायतों में प्रभात फेरी और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की जा रही है।

गांव-गांव योजनाओं की पहुंच का सेतु बना सेवा शिविर, उमड़ी ग्रामीणों की भीड़



संवाददाता
दोहरीघाट। स्थानीय विकासखंड परिसर में शनिवार को प्रदेश सरकार के सेवा सेतु अभियान के तहत बहुउद्देशीय सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लाभार्थियों को आवेदन भी लिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामाश्रय मौजूद रहे। अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सेवा सेतु अभियान के जिला प्रभारी रमेश दूबे मौजूद रहे। खंड विकास अधिकारी विकास शुक्ला ने मुख्य अतिथि का माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। शिविर में नगर पंचायत अध्यक्ष विनय जायसवाल, आजाद जायसवाल समेत ब्लॉक के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। अतिथियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाना तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना है। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और मिलने वाले लाभ की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के माध्यम से उनके समाधान का भरोसा दिलाया। अंत में खंड विकास अधिकारी विकास शुक्ला ने अतिथियों, अधिकारियों-कर्मचारियों और ग्रामीणों के प्रति आभार जताया।

अंतर मंडलीय स्थानांतरण समेत सात सूत्रीय मांगों को लेकर लेखपालों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता घोसी। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर घोसी तहसील इकाई के लेखपालों ने शनिवार को अध्यक्ष अरविंद कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में तहसील परिसर में प्रदर्शन कर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश को संबोधित सात सूत्रीय मांगपत्र एसडीएम अशोक कुमार सिंह को सौंपा। लेखपालों ने मांगों के शीर्ष निस्तारण की मांग की। ज्ञापन में लेखपालों ने अंतर मंडलीय स्थानांतरण नीति लागू करने की मांग की। संघ ने बताया कि प्रदेश में 27 सौ से अधिक लेखपाल अपने गृह जनपद से 4 सौ से 8 सौ किलोमीटर दूर कार्यरत हैं। इसके अलावा वर्ष 2025-26 की पदोन्नति सूची, जिसे विभागीय पदोन्नति समिति ने अप्रैल 2026 में पारित किया है, जल्द जारी करने की मांग की गई। लेखपालों ने वर्ष 2024 में आयोजित विभागीय परीक्षा का परिणाम शीघ्र घोषित करने, ताकि उन्हें स्थायीकरण का लाभ मिल सके साथ ही भूलेख कार्यालय और विभिन्न पटल से लेखपालों को अवसृष्ट करने, उनके विभिन्न भत्तों में वृद्धि करने, प्रारंभिक वेतन को 2800 ग्रेड पे किए जाने तथा वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि लेखपालों से उनके निर्धारित हल्के के अतिरिक्त अन्य हल्कों का कार्य न लिया जाए। संघ ने चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र निस्तारण नहीं किया गया और इसके कारण राजस्व प्रशासन एवं जनसेवा से जुड़े कार्य प्रभावित होंगे है तो इसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान मंत्री सौरभ राय, विवेक सिंह, मनीष मिश्रा, भुआल यादव, योगेंद्र यादव, आशीष वर्मा, आशीष यादव, मुनेंद्र सिंह, योगेश यादव आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने तहसील सफीपुर में सुनीं फरियादियों की शिकायतें



संवाददाता
ऊाव । जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह की उपस्थिति में तहसील सफीपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इव अवसर पर जिलाधिकारी ने तहसील

सफीपुर के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। जिलाधिकारी ने राजस्व, पुलिस, विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य विद्युत तथा अन्य विभागों की शिकायतें सुन संबंधित अधिकारी को मौके पर बुलाकर

गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध निस्तारण किए जाने के के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कहा कि जो शिकायत जिस श्रेणी में है उसी श्रेणी में उसका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए शिकायतकर्ता की शिकायत निस्तारण से संतुष्टि आवश्यक है ।उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान हो। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने राजस्व भूमि विवाद पैमाइश अवैध कब्जा एवं अन्य संवेदनशील मामलों को गंभीरता के साथ

निस्तारण किये जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत जिस श्रेणी की है उसी श्रेणी में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण का संतोषजनक समाधान किया जाए। इस अवसर पर राजस्व विभाग 56 पुलिस 41 समाज कल्याण 13 विकास विभाग 29 शिक्षा 04 विद्युत 16 पूर्ति 13 अन्य 29 विभिन्न विभागों सहित कुल 201 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 19 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया । शेष शिकायतों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किए जाने के निर्देश जिला अधिकारी ने संबंधित अधिकारी को दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दैवीय आपदा के

लाभार्थियों को चार लाख का चेक प्रदान किया साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना स्वामित्व योजना कृषक दुर्घटना योजना के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया । तहसील समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने सरकार की कल्याणकारी योजनाओं नीतियों कार्यक्रमों विषयक लगाए गए स्टालों का भी अवलोकन कर सम्बन्धित विभागीय अधिकारी से जानकारी ली। संपूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी सफी पुर फाल्गुनी सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी परियोजना निदेशक तेजवंत सिंह जिला विकास अधिकारी देव चतुर्वेदी सहित अन्य सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



संवाददाता
पुरवा (ऊाव)। पुरवा तहसील अंतर्गत ग्रामसभा बैगांव में आम रास्ते पर, रास्ते को कांटों की लकड़ी लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया है, जिसकी शिकायत तहसील दिवस में, कैंसर रोग से पीड़ित महिला सुनीता शुक्ला पत्नी सोनू शुक्ला ने कि है, पार्टी सुनीता शुक्ला के द्वारा बताया गया कि, गांव का आम रास्ता है जिस

पर कई दशकों से खड़जा लगा हुआ है, जिस पर सरकारी इंडिया मार्का नल भी लगा हुआ है रास्ता बारिश होने के कारण बाधित हो गया है, जिधर से निकलने लायक है उस पर गांव के ही संतोष रावत पुत्र स्व० संकर निवासी बैगांव ने लकड़ी लगाकर अवैध कब्जा कर रखा है !जिसका मकान रास्ते से लगा हुआ है, जिस पर ग्राम प्रधान, ग्रामीणों ,

लेखपाल व कानूनगो की उपस्थिति में सीमांकन कराया गया, जिस स्थान पर लकड़ी रखी गई है, वह पूर्ण रूप से रास्ते में ही है, ग्राम प्रधान, ग्रामीणों, लेखपाल व कानूनगो मना करने के बावजूद दबंग संतोष और उनकी मां रास्ते से लकड़ी हटाने को तैयार नहीं है! प्राथी सुनीता शुक्ला के अनुसार वो अत्यंत गंभीर बीमारी से ग्रसित होने के कारण चल-फिर पाने में असमर्थ है, जिससे उनको इलाज के लिए, वाहन द्वारा ही ले जाया जाता है सार्वजनिक रास्ता अवरुद्ध होने के कारण उनके दरवाजे तक गाड़ी नहीं आ पाती है, जिससे उन्हें भारी समस्या उत्पन्न हो रही है, उनकी स्थित को और ग्रामीणों के आवागमन की समस्या को देखते हुए, अतिश्रीघ्न मामले को संज्ञान लेते हुए रास्ते को साफ कराते हुए दबंग के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाने की तहसील समाधान दिवस प्रार्थना पत्र देकर मांग की

चयनित हज यात्रियों की प्रथम मेडिकल टेस्ट रिपोर्ट 30 सितंबर तक है भेजना

संवाददाता
ऊाव। प्रभारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय ने बताया है कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया द्वारा सकुलर 15 सितम्बर 2026 को निर्गत किया गया है जो हज 2027 के चयनित हज यात्रियों के मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस के सम्बन्ध में है, जिसमें निर्देश प्राप्त हुए है कि चयनित हज यात्रियों को प्रथम चरण में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय व अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप पर सरकारी चिकित्सा केन्द्रों में जाँचोपरांत एलेगोपैथिक पद्धति के चिकित्सक द्वारा प्रमाण-पत्र जारी करारकर मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र, अग्रिम जमा धनराशि की रसीद व अन्य प्रपत्र हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाइट पर अब दिनांक 30 सितम्बर 2026 तक अपलोड किया जाना होगा अथवा 30 प्र० राज्य हज समिति कार्यालय में 1 अक्टूबर 2026 तक जमा करना होगा। एन0आर0आई0 (प्रवासी भारतीय) जो अन्य देशों में रह रहे हैं उनके लिए निर्देश दिये गये है कि वह जिस देश में है वही सरकारी चिकित्सालयों में मेडिकल स्क्रीनिंग करारकर रिपोर्ट प्रेषित/अपलोड करें। 30 प्र० शासन द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारियों को हज यात्रियों में मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के सम्बन्ध में निर्देश निर्गत किये गये है। हज यात्रियों को सलाह दी जाती है कि प्रथम चरण का मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र वेबसाइट पर अपलोड करने के बाद प्रमाण-पत्र व जाँच रिपोर्ट अपने पास सुरक्षित रखें ताकि द्वितीय चरण की जाँच के समय इस रिपोर्ट को प्रस्तुत किया जा सकें।

गणेश वार्षिकोत्सव पर बाबा बलखंडेश्वर मंदिर में हुआ विशाल भंडारा



संवाददाता
परियर (ऊाव)। बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में शनिवार को विशाल गणेश वार्षिकोत्सव के अवसर पर भक्तों की ओर से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नव युवक गणेश समिति के पदाधिकारियों और ग्रामवासियों ने व्यवस्थाएं संभालीं। बाबा बलखंडेश्वर महादेव विकास सेवा समिति के अध्यक्ष रवि मिश्रा और अभय मिश्रा ने कन्याओं को भोजन करारकर भंडारे का शुभारंभ किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही और भक्तिमय वातावरण बना रहा। भंडारे की व्यवस्थाओं में देवी प्रसाद, कौशल किशोर, राजेंद्र पाल, आजाद, जैकी कश्यप, दुर्गेश निषाद, सरोज, अवधेश कश्यप, दीपांशु राठौर, अनुज राजपूत, शुभम, सतीश कुशवाहा, विकास कश्यप, शिवप्रकाश राठौर, कुलदीप कश्यप, प्रेम कश्यप, अनुज, मंजीत पाल, लाला, राधेश्याम, सूरज, कुलदीप, मोहित, नितिन, दिलीप, अंकित, करन, छोट्टू, दीपक, सोनू, मनीष, आलोक, आजाद सहित बड़ी संख्या में ग्राम व क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

शिवराजपुर थाना क्षेत्र स्थित प्रतिष्ठित दूध कंपनी गेट के बाहर कर्मचारी से अज्ञात तीन दबंगों ने मारपीट, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

संवाददाता
कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट के पश्चिमी जोन के शिवराजपुर थाना क्षेत्र में प्रतिष्ठित कंपनी के गेट के बाहर कर्मचारी से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि घात लगाए बैठे तीन अज्ञात युवकों ने कर्मचारी को रोककर लात-धूसों से मारपीट की। पूरी घटना कंपनी के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद बताई जा रही है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास कर रही है।



सीएम डैशबोर्ड एवं विकास कार्यों की समीक्षा में जिलाधिकारी ने खराब प्रगति वाले विभागों पर जताई नाराजगी



संवाददाता हमीरपुर। जिलाधिकारी हमीरपुर श्री अभिषेक गोयल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विगत माह के सीएम डैशबोर्ड एवं विभिन्न विकास कार्यों की विभागावार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए खराब प्रदर्शन वाले विभागों के अधिकारियों को कार्यों में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में बॉटम-10 में आने वाले विभागों की प्रगति पर

तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) एवं संभव अधियान की प्रगति संतोषजनक न मिलने पर संबंधित अधिकारी को भी चेतावनी देते हुए प्रभावी सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मनरेगा, एनआरएलएम एवं प्रोबेशन विभाग एवं जीरो पावर्टी से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य में तेजी लाने तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। पूर्ति विभाग की समीक्षा में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अंत्योदय श्रेणी की पात्रता से बाहर हो चुके व्यक्तियों के कार्डों का नियमानुसार सत्यापन कर उन्हें निरस्त करते हुए पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को खाद्यान्न योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रेरणा केंटीन की स्थापना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट,

विकास भवन, समस्त तहसीलों एवं विकास खंडों सहित डाइरे जैसे प्रमुख सरकारी कार्यालयों में प्रेरणा केंटीन स्थापित करने की कार्रवाई तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। गोवंश संरक्षण की समीक्षा में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मानक के अनुरूप संचालित न हो रही गौशालाओं से गोवर्षों को चिन्हित कर बेहतर एवं मानक पूर्ण गौशालाओं में नियमानुसार शिप्ट कराया जाए। उन्होंने गौशालाओं में चारा, पानी, आश्रय एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को नियमानुसार कर्पोजित विद्यालयों में मर्ज/शिफ्ट करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने जिले में रिक 04 एआरपी पदों को शीघ्र भरने के निर्देश दिए। साथ ही सभी उपजिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने को कहा।

मण्डलायुक्त और जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनीं जनशिकायतें निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को दी कड़ी चेतावनी



ललितपुर । जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए शासन की मंशानुसार शनिवार को जिले की तहसील तालबेहट में 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मण्डलायुक्त झांसी मण्डल झांसी श्री बिमल कुमार दुबे और जिलाधिकारी श्री सत्य प्रकाश ने संयुक्त रूप से फरियादियों की समस्याओं को बेहद गंभीरता से सुना और मौके पर ही कई जटिल शिकायतों का प्रभावी निस्तारण कराया समाधान दिवस के दौरान मुख्य रूप से जमीनी विवादों राजस्व वादों विभिन्न कानूनी मामलों और कल्याणकारी योजनाओं से सम्बन्धित शिकायतें भारी संख्या में प्राप्त हुई मण्डलायुक्त बिलम कुमार दुबे ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों को एक-एक कर देखा

और मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्षता के साथ समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करें। विशेष रूप से जमीनी और राजस्व विवादों के स्थायी समाधान के लिए मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी ने राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमों को मौके पर जाकर शिकायतों की गहन जांच करने और पारदर्शिता के साथ त्वरित निस्तारण करने के कड़े निर्देश दिए उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि जमीनी विवादों और राजस्व से जुड़े मुख्य रूप से जमीनी विवादों को ही जाए, ताकि आम जनता को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यदि किसी अधिकारी द्वारा निस्तारण में लापरवाही बरती जाती है तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से शिकायतों को दूर करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व और कानूनी वादों का समयबद्ध निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का वास्तविक उद्देश्य तभी सफल होगा जब पीड़ित व्यक्ति को समय से न्याय मिले आज सम्पूर्ण समाधान दिवस में निम्न शिकायतें प्राप्त हुई तहसील तालबेहट में कुल 81 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त

हुए, जिनमें से 08 का मौके पर निस्तारण कराया गया। तहसील तालबेहट में कुल 81 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 08 का मौके पर निस्तारण कराया गया तहसील मड़वारा में कुल 79 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 71, पुलिस के 04, विद्युत के 02 तथा अन्य विभागों के 02 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 08 का मौके पर निस्तारण कराया गया तहसील पाली में कुल 33 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 15, विद्युत के 10 तथा पूर्ति के 08 प्रार्थना पत्र शामिल है, जिनमें से 03 का मौके पर निस्तारण कराया गया तहसील महरौनी में कुल 32 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिसमें राजस्व के 08, पुलिस का 01, विद्युत के 03, विकास विभाग के 09 तथा अन्य विभागों के 08 प्रार्थना पत्र शामिल हैं, जिनमें से 05 का मौके पर निस्तारण कराया गया इन अधिकारियों की रही उपस्थिति इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, उप जिलाधिकारी तालबेहट अभिजीत सिंह क्षेत्राधिकारी तालबेहट, जिला सूचना अधिकारी डीएस दयाल सहित अन्य जनपदीय व तहसील स्तर के समस्त विभागीय अधिकारी, कानूनगो और लेखपाल आदि उपस्थित रहे

कृषि यंत्रीकरण की योजनाओं के अंतर्गत ऑटो कफर्म एवं लॉटरी में चयनित कृषक यंत्र का बिल अपलोड कर दे

ललितपुर कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अन्तर्गत ऑटो कन्फर्म एवं ई-लॉटरी में चयनित समस्त कृषकों के मोबाइल नं० पर प्राप्त मैसेस में निर्धारित अन्तिम तिथि तक त्रय किये गये कृषि यंत्रों के बिल एवं आवश्यक अभिलेख कृषि विभाग के विभागीय पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड कराये जाने के सम्बन्ध में जनपद के किसान भाईयों को सूचित करना है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में कृषि विभाग द्वारा संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना एवं प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ कॉपर रेज्ड्यू योजना एवं अन्य योजनाओं के कृषि यंत्रों की बुकिंग कृषकों द्वारा दिनांक 16.07.2026 से दिनांक 10.08.2026 तक कृषि विभाग के विभागीय पोर्टल पर की गयी थी ऐसे कृषक जिनका चयन ऑटो कन्फर्म एवं ई-लॉटरी में हुआ है उन कृषकों के मोबाइल नं० पर कृषि यंत्रों को कयको बिल एवं आवश्यक अभिलेख विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने की निर्धारित अन्तिम तिथि का मैसेज प्राप्त हुआ है उक्त योजनान्तर्गत ऑटो कन्फर्म एवं ई-लॉटरी में चयनित कृषकों है कि अन्तिम तिथि तक त्रय किये गये कृषि यंत्रों के बिल एवं आवश्यक अभिलेख कृषि विभाग के विभागीय पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का कष्ट करें अन्तिम तिथि तक बिल एवं आवश्यक अभिलेख विभागीय पोर्टल पर अपलोड न होने की दशा में कृषक का चयन स्वतः निरस्त हो जायेगा।

सक्षिप्त खबरें...

ऊाव जिला अस्पताल के बाहर बना अखाड़ा! महिलाओं और युवक में जमकर हुई मारपीट

संवाददाता
ऊाव। जिला अस्पताल का इमरजेंसी वार्ड उस वक्त अखाड़े में तब्दील हो



गया, जब महिलाओं और एक युवक के बीच किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। अस्पताल परिसर के बाहर हुए इस हंगामे से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जहां चंद कदमों की दूरी पर अस्पताल चौकी मौजूद है, वहां खुलेआम मारपीट कैसे होती रही? अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे मरीज और तीमारदार भी हंगामा देखकर परेशान नजर आए। अब सवाल यह उठ रहा है कि अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था आखिर कितनी मुस्तैद है? अगर इमरजेंसी वार्ड के बाहर ही विवाद मारपीट तक पहुंच जाए, तो मरीजों और तीमारदारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? घटना का वीडियो सामने आने के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस चौकी की सक्रियता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

भते बढ़ाने और 2800 ग्रेड पे की मांग लेखपालों ने दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता
परियर (ऊाव)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने अपनी लंबित मांगों को लेकर शासन से तत्काल निर्णय लेने की मांग उठाई है। तहसील अध्यक्ष दीपचंद, तहसील मंत्री दीपेंद्र तिवारी, लेखपाल योगेश कुमार व शैलेन्द्र ने उप जिलाधिकारी राजेश विश्वकर्मा के माध्यम से मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन को पत्र भेजकर समस्याओं के समाधान की मांग की। लेखपाल संघ ने ग्रेड पे 2800 रुपये किए जाने और वर्षों से लंबित वेतन विसंगतियों को दूर करने



की मांग को प्रमुखता से उठाया है। इसके साथ ही स्टेशनरी भत्ता 100 से बढ़ाकर 500 रुपये प्रतिमाह, मोटरसाइकिल/वाहन भत्ता 1500 रुपये तथा विशेष भत्ता 100 से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की गई है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि बढ़ते कार्यभार, महंगाई और लगातार क्षेत्रीय भ्रमण के बावजूद भत्तों में लंबे समय से अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई है। पत्र में गृह जनपद व गृह मंडल स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल दोबारा खोलने, लंबित प्रशिक्षण परीक्षा परिणाम जारी करने तथा लेखपालों से अतिरिक्त कार्य लिए जाने पर रोक लगाने की मांग भी की गई। लेखपाल संघ ने चेतावनी दी है कि 22 सितंबर 2026 से मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो अतिरिक्त हलकों के कार्य का बहिष्कार किया जाएगा। संघ के अनुसार लेखपाल केवल अपने आवंटित हलके का कार्य करेंगे। इसके बाद मांगों के समर्थन में आगे आंदोलनात्मक निर्णय लिया जा सकता है।

कोर्ट में खुलेंगे हत्याकांड के राज? विनीत मिनोचा केस में तीनों आरोपी पेश, पुलिस ने मांगी कस्टडी रिमांड

संवाददाता
कानपुर । दवा कारोबारी विनीत मिनोचा हत्याकांड में पुलिस की जांच अब कोर्ट की चौखट तक पहुंच गई है। मामले में पुलिस ने मृतक की बहू शालू, नौकर विशाल और राजकिशोर को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एसीजेएम फस्ट कोर्ट में पेश किया। पुलिस की ओर से मामले की गहन पूछताछ और महत्वपूर्ण साक्ष्यों की बरामदगी के लिए तीनों आरोपियों की कस्टडी रिमांड की मांग करते हुए कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई है। पुलिस का कहना है कि रिमांड मिलने पर आरोपियों से पूछताछ कर मामले से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों को गेगे बढ़ाया जा सकेगा। कोर्ट में पेशी के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। फिलहाल कस्टडी रिमांड पर अंतिम आदेश कोर्ट की ओर से होना है। इसलिए रिमांड मंजूर होने या खारिज होने को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। हत्याकांड की जांच में पुलिस किन बिंदुओं पर पूछताछ करती है और किन साक्ष्यों की बरामदगी का प्रयास किया जाता है , यह कोर्ट के आदेश और आगे की पुलिस कार्रवाई के बाद ही स्पष्ट



न्यूयॉर्क की सड़कों पर रकुल प्रीत सिंह का दिखा खास अंदाज

एक्टर-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी पत्नी रकुल प्रीत सिंह के साथ न्यूयॉर्क यात्रा पर हैं। जैकी भगनानी ने गुरुवार को अपने इस खास वकेेशन की कुछ बेहद प्यारी और अनदेखी झलकियां फैंस के साथ शेयर की। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीरों में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह को साथ में समय बिताते हुए देखा जा सकता है। दोनों के बीच केमिस्ट्री साफ झलक रही है। एक तरफ जहां दोनों स्टाइलिश लुक में एक-दूसरे के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ तस्वीरों में यह कपल बेहद कूल और मजेदार पोज देता हुआ भी दिखाई दे रहा है। दोनों ने अपनी सोलो तस्वीरें भी शेयर की। जैकी ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, “दुनिया में अपने सबसे पसंदीदा इंसान रकुल प्रीत सिंह के साथ मेरे पसंदीदा शहर की कुछ और झलकियां।”

जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह की तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। शादी के बाद से ही दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ तस्वीरें शेयर कर कपल गोल्स देते रहते हैं। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह की बात करें, तो वे हालिया रिलीज फिल्म ‘पती पत्नी और वो’ में नजर आई थीं। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह वन विभाग की कर्मी नीलोफर खान की भूमिका में हैं, जो मुख्य अभिनेता के इर्द-गिर्द बुनी गई ‘कॉमेडी ऑफ एरर्स’ और गलतफहमियों का हिस्सा बनती हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कुछ दर्शक इसे हल्की-फुल्की और मनोरंजक कॉमेडी मान रहे हैं, वहीं कुछ का मानना है कि फिल्म का शोर-शराबा और कमजोर कहानी निराश करती है। एक्ट्रेस अब एस. शंकर द्वारा निर्देशित ‘इंडियन 3’ में नजर आएंगी। यह फिल्म 1996 की ‘इंडियन’ का सीक्वल है।



कंगना रनौत स्टारर तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर की तैयारियां तेज, इसी साल शुरू होगी शूटिंग

फिल्म फेंचाइजी ‘तनु वेड्स मनु’ के प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। इस सुपरहिट सीरीज का तीसरा भाग ‘तनु वेड्स मनु = द नेक्स्ट चैप्टर’ के बारे में नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होगी। इसी साल फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म की घोषणा इरोज इनोवेशन द्वारा हाल ही में जारी की गई नई कंटेंट लिस्ट के दौरान की गई। फिल्म का निर्देशन मिताक्षरा कुमार करेंगी, जो इससे पहले ‘हीरामंडी’ और ‘द एम्पायर’ जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म का निर्माण रुद्रक सोमा ज्योति लिमिटेड के सहयोग से किया जाएगा। ‘तनु वेड्स मनु’ फेंचाइजी पहले ही दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना चुकी है और अब इसके नए चैप्टर को लेकर आ रही है। इरोज इनोवेशन ने अपनी नई कंटेंट रणनीति के तहत तीन प्रमुख पहलों की घोषणा की है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण ‘इरोज ब्रम्हांड’ है, जो भारतीय पौराणिक कथाओं और लोककथाओं से प्रेरित एक नया सिनेमाई ब्रह्मांड होगा। इसके तहत नौ ओरिजिनल प्रोजेक्ट्स तैयार किए जाएंगे। इनमें ‘नंदी - वॉर ऑफ कैलाश’, ‘द्वारका गेटवे टू द यूनिवर्स’, ‘विमान वॉर्स’, ‘महाभारत 5000 एडी’ ‘यक्षिणी’, ‘ब्रह्मराक्षस’, ‘गरुड़’, ‘कुंभयंत्र’ और ‘मनसा देवी’ शामिल हैं। इन सभी प्रोजेक्ट्स को आपस में जोड़कर एक व्यापक और रोचक कहानी की दुनिया तैयार की जाएगी। दूसरी पहल ‘इरोज यूनिवर्स’ है, जिसमें कई लोकप्रिय फिल्म टाइटल्स को नए रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। इस सूची में ‘तनु वेड्स मनु - द नेक्स्ट चैप्टर’ के अलावा ‘फोबिया’, ‘इंग्लिश विंग्लिश’, ‘देसी बॉयज’, ‘रंगीला’ और ‘तेरे नाम’ जैसी चर्चित फिल्में शामिल हैं। कंपनी के अनुसार, इन कहानियों को फिल्मों, एनीमेशन, माइक्रोड्रामा और कैरेक्टर बेस्ड कंटेंट के जरिए नए अंदाज में दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा। तीसरी पहल ‘इरोज रीमास्टर्ड’ है, जिसकी शुरुआत रजनीकांत स्टारर फिल्म ‘कोचादइयां’ से होगी। भारत की पहली मोशन-कैप्चर फीचर फिल्म मानी जाने वाली इस फिल्म को सौंदर्य रजनीकांत के रचनात्मक नेतृत्व में नए सिरे से रीस्टोर और रीइमेंजिन किया जाएगा। इरोज इनोवेशन के संस्थापक और चेयरमैन किशोर लुब्ध ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य पौराणिक कथाओं, लोकप्रिय फिल्मों और क्लासिक सिनेमा को एक मंच पर लाकर ऐसी कहानियां पेश करना है जो हर पीढ़ी के दर्शकों को जोड़ सकें। वहीं, को-फाउंडर और को-प्रेसिडेंट रिधिमा लुब्ध ने कहा कि यह नई कंटेंट लिस्ट कहानी कहने के नए और रचनात्मक तरीकों के प्रति कंपनी की महत्वाकांक्षा को दिखाती है।

दीवारों पर दर्ज भारत का स्वर्णिम संघर्ष



इतिहास केवल पुस्तकों में ही नहीं, दीवारों पर भी जीवंत हो सकता है। ग्वालियर के आईटीएम ग्लोबल स्कूल में स्थापित 80 फीट लंबे भव्य म्यूरल ने 1857 से 1961 तक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रनिर्माण की गाथा को अद्भुत कलात्मक रूप दिया है। इतिहास केवल कलम से कागजों पर ही नहीं लिखा जा सकता। इतिहास कला के माध्यम से दीवारों पर भी चित्रित किया जा सकता है। चित्रित

इतिहास अपने दृश्यात्मकता सौन्दर्य बोध के साथ-साथ देखने वालों के लिए रोचकता के साथ दायित्व बोध भी पैदा करता है लेकिन दीवारों पर इतिहास को चित्रित करना आसान काम नहीं है। इस मुश्किल काम को अंजाम देने का एक सर्वोत्कृष्ट आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलाधिपति ने देखा और ख्यात पेंटर विनय अंबर ने रात-दिन मेहनत कर इस स्वप्न को र्वालियर के आईटीएम ग्लोबल स्कूल के कॉरिडोर

में साकार कर दिखाया है। र्वालियर के इस स्कूल के कॉरिडोर में 80 फीट लम्बे और 8 फीट ऊंचे म्यूरल के रूप में स्थापित इस इतिहास चित्रण की विषय-वस्तु ‘भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की महागाथा 1857 से 1961’ रखी गयी है। यह देश का ऐसा पहला म्यूरल है, जिसमें वर्ष 1857 से लेकर वर्ष 1961 तक के कालखंड को म्यूरल के रूप में चित्रित किया गया है। 40 वर्ग फीट के फाइबर ग्लास से निर्मित इस

म्यूरल को कुल दस पैनल में विभक्त किया गया है। इस म्यूरल में 1857 से आजादी का संघर्ष प्रारंभ होता है, जिसमें रानी लक्ष्मीबाई का गदर में शामिल होना, सिंधिया घराने की भूमिका, आखिरी मुगल बादशाह बहादुरशाह की गिरफ्तारी, उनके तीन बेटों को फांसी, आदिवासियों का स्वतंत्रता के लिए संग्राम, जिसमें बिरसा मुण्डा और तिलका मांझी जैसे किरदार दिखाए गए हैं। अंग्रेजों द्वारा नील की खेती करवाना और किसानों पर अत्याचार, गांधी का चम्पारण सत्याग्रह, दांडीयात्रा, भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त का एसेम्बली में बम का धमाका, भगत सिंह की जेल, ‘राजगुरु’, बिस्मिल और चन्द्र शेखर, साथ में इस म्यूरल में एक कोण अचम्भित करने वाला है वह यह कि इस म्यूरल में सावकार को उनकी लिखी किताब 1857 का स्वातंत्र्य समर को हाथ में लिए दिखाया गया है और साथ ही इसमें देश के बंटवारे का भी मार्मिक चित्रण है। एक पैनल पर बंटवारे का दृश्य है, उसी पैनल पर नेहरू राष्ट्रीय ध्वज को सलाम दे रहे हैं। उनकी पीठ बंटवारे की तरफ है सामने सूरज है, किसान है जो हल लिए हुए है। शहनाई बजाते बिरमिल्ला खां के साथ इंसानी शक्ल में एक पक्षी है।



कृति सेनन, शाहिद और रश्मिका की कॉकटेल 2 का काउंटडाउन शुरू, मजेदार वीडियो आया सामने

बॉलीवुड कलाकारों कृति सेनन, रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर स्टारर फिल्म ‘कॉकटेल-2’ सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फ्रेश स्टारकास्ट प्रमोशन का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। इस बीच, फिल्म के डायरेक्टर होमी अदजानिया ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक बेहद मजेदार पोस्ट शेयर किया, जिसने फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई वीडियो और तस्वीरों में फिल्म के बीटीएस के नजारे शामिल हैं। तस्वीरों में जहां फिल्म के कुछ यादगार पल दिख रहे हैं, वहीं वीडियो में निर्देशक होमी अदजानिया कलाकारों को सीन समझाते हुए नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही, आखिरी स्लाइड में कृति का एक शानदार वीडियो शामिल है, जिसमें डायरेक्टर खुद उन्हें सीन करके दिखा रहे हैं। होमी अदजानिया ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, “मुझे पहले कभी भी इतनी बार फोटो-वीडियो शेयर करने के लिए नहीं कहा गया, इसलिए तीजिए, आपके सामने पेश है एक और पोस्ट।” उन्होंने आगे लिखा, “प्यार और खुशियां बांटते रहिए और साथ ही एक-दूसरे के प्रति दयालुता भी बनाइए और आखिरी वीडियो देखना बिस्कुल न भूलें, जिसमें दिखाया गया है कि चीजें कैसे शुरू होती हैं और आखिर में क्या बन जाती हैं। यही तो फिल्म निर्माण का जादू है।” होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म ‘कॉकटेल-2’ आज की पीढ़ी के रश्तों (जैसे सिचुएशनशिप, घोस्टिंग, बेंचिंग और इमोशनल बर्नआउट) पर आधारित है। फिल्म की कहानी शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना के उलझे हुए संबंधों और आज की पीढ़ी के प्यार के समीकरणों को दिखाती है। फिल्म की कहानी आज की जनरेशन के इमोशनल बर्नआउट और इंस्टेंट ग्रेटीफिकेशन वाले दौर में सच्चे रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में प्यार और दोस्ती के बीच के अंतर को मिटते हुए दिखाया गया है, जहां तीनों मुख्य किरदारों के बीच का तनावपूर्ण और भावनात्मक रूप से गहरा रिश्ता कहानी का मुख्य आधार है।

विविधता की अनवरत धारा में भारतीय आत्मा के दर्शन



हिमालय की ऊंची पर्वतमालाओं के बीच बहती सिंधु नदी केवल जलधारा नहीं, भारतीय सभ्यता की

पहचान है। भारत के नाम से जुड़ी इस ऐतिहासिक नदी के सम्मान में 22 से 27 जून तक लेह में 30वां सिंधु

दर्शन महोत्सव प्रथम सिंधु कुंभ के रूप में आयोजित होगा। यह आयोजन संस्कृति, आस्था और राष्ट्रीय एकता

का अनूठ उत्सव बनेगा। हिमालय की ऊंची पर्वतमालाओं के बीच बहती सिंधु नदी केवल एक जलधारा भर नहीं है बल्कि भारतीय सभ्यता का जीता-जागता प्रवाह है। यह वह नदी है, जिसने भारत को उसका अपना नाम दिया। यह वह नदी है, जिसने भारतीय सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है। इसी कारण हर साल जब जून के महीने में लद्दाख के लेह में सिंधु दर्शन महोत्सव आयोजित होता है, तो वह केवल एक नदी का दर्शन नहीं बल्कि समूची भारतीय सभ्यता का महोत्सव होता है। इस साल 22 से 27 जून के बीच 30वां सिंधु दर्शन महोत्सव आयोजित होगा, जो केवल एक धार्मिक या पर्यटन आयोजनभर नहीं होगा बल्कि भारतीय सभ्यता के मूल स्रोत को

नमन करने का अवसर होगा। इस साल के इस आयोजन को विशेष रूप से प्रथम सिंधु कुंभ के रूप में मनाया जा रहा है। भारत में गंगा, यमुना, नर्मदा और गोदावरी जैसी नदियों की चर्चा अक्सर होती है। लेकिन यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि ‘भारत’, ‘हिंद’, ‘हिंदुस्तान’ और ‘इंडिया’ जैसी शब्दों की जड़ें इनमें से किसी नदी में नहीं है। ये जड़ें सिंधु नदी से जुड़ी हुई हैं। इसलिए सिंधु नदी के प्रति इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्मान को पुनर्जीवित करने के लिए 1990 के दशक में सिंधु दर्शन यात्रा की शुरुआत हुई। बाद में यह एक वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव का रूप ले लिया। इस महोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें राष्ट्रीय

एकता की भावना कूट-कूटकर भरी होती है। इस महोत्सव में हिस्सा लेने वाले देश के अलग-अलग हिस्सों से आये लोग अपने साथ स्थानीय नदियों का जल लेकर आते हैं और उसे सिंधु में अर्पित करते हैं। यह प्रतीकात्मक अनुष्ठान भारत की विविधता में एकता का संदेश देता है। बौद्ध, हिंदू, सिख, मुस्लिम और ईसाई समुदाय के प्रतिनिधि भी इसमें भाग लेते हैं। इसलिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम को धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक समारोह माना जाता है। सिंधु दर्शन का एक और महत्वपूर्ण पहलू लद्दाख की स्थानीय संस्कृति से उसके जुड़ाव का है। इस महोत्सव के दौरान लद्दाखी लोकनृत्य, पारंपरिक संगीत, बौद्ध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्थानीय हस्तशिल्प प्रदर्शित किये

जाते हैं। इससे देश के दूसरे हिस्सों से आने वाले लोगों को लद्दाख की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर मिलता है। इस महोत्सव का आयोजन ऐसे में समय में होता है, जब लद्दाख पर्यटन के अपने चरम मौसम में प्रवेश कर रहा होता है। नीले आकाश, बर्फ से ढकी चोटियां और सिंधु नदी का निर्मल प्रवाह, इस आयोजन को अद्वितीय सौंदर्य प्रदान करता है। यही कारण है कि हर साल इस उत्सव के समय देश के कोने-कोने से हजारों पर्यटक, विद्वान और सांस्कृतिक कार्यकर्ता इसमें शामिल होते हैं। साल 2026 का यह आयोजन इसलिए भी ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि यह सिंधु दर्शन यात्रा के 30 वर्षों की यात्रा का प्रतीक है। आयोजकों

के मुताबिक प्रथम सिंधु कुंभ का उद्देश्य जो कि इस साल है, सिर्फ केवल नदी या पूजन नहीं है बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता और वैश्विक सद्भाव के संदेश को मजबूत करना है। इस दौरान विभिन्न विषयों पर विचार गोष्ठियां, संवाद और सभ्यता विमर्श भी आयोजित की जाएंगी। सिंधु नदी के तट पर खड़े होकर जब कोई व्यक्ति हिमालय की ओर देखता है, तो उसे केवल एक नदी भर नहीं दिखाई देती बल्कि अपनी सभ्यता का समूचा प्रवाह दिखता है। शायद यही कारण है कि सिंधु दर्शन महोत्सव को देखने वाले अनेक लोग इसे उत्सव नहीं, भारतीय आत्मा का दर्शन कहते हैं। सिंधु पूजन एवं महाआरती. देशभर के